



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1]

नई दिल्ली, सनिवार, जनवरी 5, 1991/पौष 15, 1912

No. 1]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 5, 1991/PAUSA 15, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय
अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम,
(जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1990

सा.का.नि. 1.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
अधिनियम, 1968 (1968 का 50) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नियम,
1969 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है,
अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
(चौथा संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नियम 1969 में (जिन्हें इसमें
इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 42 के उपनियम (1) में
टिप्पण (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“(ii) बल मुख्यालय के उपमहानिरीक्षक के आदेशों के विरुद्ध
अपीलें, जिनमें उपमहानिरीक्षक (प्रशिक्षण) सम्मिलित हैं, महानिरीक्षक
(मुख्यालय) को की जाएंगी और महानिरीक्षक (मुख्यालय) के आदेशों
के विरुद्ध अपीलें, महानिरीक्षक को की जाएंगी।”

3. उक्त नियम की अनुसूची 2 में स्तम्भ-4 के प्रीक्षक में “सेक्टर
महानिरीक्षक” शब्दों के स्थान पर या “सेक्टर महानिरीक्षक/महानिरीक्षक
(मुख्यालय)” शब्द रखे जाएंगे।

[सं. ई-32012/3/90-एल एण्ड आर/सी आई एस एक/कार्मिक-I]
पाठ टिप्पण:—मूल नियम भारत के राजपत्र में का.प्रा. 4632 तारीख
14-11-1969 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात्
उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया है:—

1. सा.का.नि. 1942 तारीख 28-11-1970

2. का.प्रा. 444 तारीख 5-02-1972

3. का.प्रा. 1752 तारीख 15-07-1972

4. सा.का.नि. 656 तारीख 23-08-1973

5. सा.का.नि. 102 तारीख 26-01-1974

6. सा.का.नि. 262 तारीख 28-02-1976

7. सा.का.नि. 861 तारीख 12-06-1976

8. सा.का.नि. 127 तारीख 29-01-1977

9. सा.का.नि. 1325 तारीख 08-10-1977

10. का.प्रा. 3669 तारीख 03-12-1977

11. सा.का.नि. 697 तारीख 03-06-1978

12. का.प्र. 1648 तारीख 10-06-1978
13. सा.का.नि. 848 तारीख 01-07-1978
14. सा.का.नि. 564 तारीख 21-04-1979
15. सा.का.नि. 940 तारीख 04-07-1979
16. सा.का.नि. 544 तारीख 17-05-1980
17. सा.का.नि. 858 तारीख 16-08-1980
18. सा.का.नि. 1049 तारीख 05-12-1981
19. सा.का.नि. 1109 तारीख 19-12-1981
20. का.प्र. 167 तारीख 23-01-1982
21. सा.का.नि. 189 तारीख 27-02-1982
22. सा.का.नि. 331 तारीख 03-04-1982
23. सा.का.नि. 919 तारीख 13-11-1982
24. सा.का.नि. 997 तारीख 15-12-1982
25. सा.का.नि. 50 तारीख 15-01-1983
26. सा.का.नि. 185 तारीख 05-03-1983
27. सा.का.नि. 386 तारीख 21-03-1983
28. सा.का.नि. 455 तारीख 25-05-1983
29. सा.का.नि. 732 तारीख 08-10-1983
30. सा.का.नि. 803 तारीख 05-11-1983
31. सा.का.नि. 2 तारीख 07-01-1984
32. सा.का.नि. 159 तारीख 16-02-1984
33. सा.का.नि. 220 तारीख 03-03-1984
34. सा.का.नि. 815 तारीख 04-08-1984
35. सा.का.नि. 1241 तारीख 15-12-1984
36. सा.का.नि. 1323 तारीख 29-12-1984
37. सा.का.नि. 225 तारीख 02-03-1985
38. सा.का.नि. 789 तारीख 24-08-1985
39. सा.का.नि. 595 तारीख 16-08-1986
40. सा.का.नि. 1101 तारीख 27-12-1986
41. सा.का.नि. 710 तारीख 26-09-1987
42. सा.का.नि. 711 तारीख 26-09-1987
43. सा.का.नि. 19 तारीख 16-01-1988
44. सा.का.नि. 186 तारीख 26-03-1988
45. सा.का.नि. 315 तारीख 23-04-1988
46. सा.का.नि. 102 तारीख 21-05-1988
47. सा.का.नि. 609 तारीख 30-07-1988
48. सा.का.नि. 785 तारीख 08-10-1988
49. सा.का.नि. 993 तारीख 31-12-1988
50. सा.का.नि. 74 तारीख 11-02-1989
51. सा.का.नि. 190 तारीख 23-03-1989
52. सा.का.नि. 488 तारीख 22-07-1989
53. सा.का.नि. 33(प्र) तारीख 25-01-1990
54. सा.का.नि. 330 तारीख 26-05-1990
55. सा.का.नि. 503 तारीख 18-08-1990

[सं. ई-32012/03/90-एल एंड प्रार. सी आई एफ कार्मिक]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th December, 1990

G.S.R. 1.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Central Industrial Security Force Act, 1968 (50 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Industrial Security Force Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Industrial Security Force (Fourth Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Industrial Security Force Rules, 1969 (hereinafter referred to as the said Rules) in sub-rule (1) of rule 42 for Note (ii) the following shall be substituted, namely :—

“(ii) Appeal against the orders of the Deputy Inspector General at Force Headquarters including Deputy Inspector General (Training) shall lie to Inspector General (Headquarters) and against the orders of Inspector General (Headquarters) to Director General.”

3. In Schedule II to the said rules, in the heading of column 4, for the words “Sector Inspector General” the words “Sector Inspector General/Inspector General (Headquarters)”, shall be substituted.

[No. F-32012/3/90-J&R/CISF/Per. 1]

Foot Note: The principal Rules, which were published in the official Gazette vide S.O. 4632 on 14-11-1969, have subsequently been amended vide:—

1. GSR 1942 dated 28-11-1970
2. SO 444 dated 5-2-1972
3. SO 1752 dated 15-7-1972
4. GSR 656 dated 23-6-1973
5. GSR 102 dated 26-1-1974
6. GSR 262 dated 28-2-1976
7. GSR 861 dated 12-6-1976
8. GSR 127 dated 29-1-1977
9. GSR 1325 dated 8-10-1977
10. SO 3669 dated 3-12-1977
11. GSR 697 dated 3-6-1978
12. SO 1648 dated 10-6-1978
13. GSR 848 dated 1-7-1978
14. GSR 564 dated 21-4-1979
15. GSR 940 dated 4-7-1979
16. GSR 544 dated 17-5-1980
17. GSR 858 dated 16-8-1980
18. GSR 1049 dated 5-12-1981
19. GSR 1109 dated 19-12-1981
20. GSR 167 dated 23-1-1982
21. GSR 189 dated 27-2-1982
22. GSR 331 dated 3-4-1982
23. GSR 919 dated 13-11-1982
24. GSR 997 dated 15-12-1982
25. GSR 50 dated 15-1-1983
26. GSR 195 dated 5-3-1983
27. GSR 386 dated 21-5-1983
28. GSR 455 dated 25-6-1983
29. GSR 732 dated 8-10-1983
30. GSR 803 dated 5-11-1983
31. GSR 2 dated 7-1-1984
32. GSR 159 dated 18-2-1984
33. GSR 220 dated 3-8-1984
34. GSR 815 dated 4-8-1984
35. GSR 1241 dated 15-12-1984
36. GSR 1323 dated 29-12-1984
37. GSR 225 dated 2-3-1985
38. GSR 789 dated 24-8-1985
39. GSR 595 dated 16-8-1986
40. GSR 1101 dated 27-12-1986
41. GSR 710 dated 26-9-1987
42. GSR 711 dated 26-9-1987
43. GSR 19 dated 16-1-1988
44. GSR 186 dated 26-3-1988
45. GSR 315 dated 23-4-1988
46. GSR 102 dated 21-5-1988
47. GSR 609 dated 30-7-1988
48. GSR 785 dated 8-10-1988
49. GSR 993 dated 31-12-1988
50. GSR 74 dated 11-2-1989
51. GSR 190 dated 25-3-1989
52. GSR 488 dated 22-7-1989
53. GSR 33(E) dated 25-1-1990
54. GSR 330 dated 26-5-1990
55. GSR 503 dated 18-8-1990

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1990

भा.भा.प. 2.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान, गृह मंत्रालय में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (पुलिस उपमहानिरीक्षक) भर्ती नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं: उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिनका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधा: हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रबंध के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रशंग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अवयव पद	सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
पुलिस उपमहानिरीक्षक	* 1 (एक) (1990) * कार्यभार के आधार पर पत्रिक्तेन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', राजपत्रित	5100-150-5400-150-6150 रु. (13वें वर्ष या उसके पश्चात 5400 रुपये) बिना विशेष वेतन के	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सेवा में जोड़े गए वर्षों का कायदा केन्द्रिय मिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के अन्तर्गत नियम 30 के प्रवर्तन अनुज्ञेय है या नहीं	सोची भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के शैक्षिक व अन्य अर्हताएं	सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निहित आयु एवं शैक्षिक अर्हताएं प्रोसत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो		
7	8	9	10		
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियाँ की प्रसिद्धता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेष्ठता जितने प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

टिप्पण : उन्नयित पद पर नियुक्ति के लिए प्रायोग द्वारा इस पद के 5100-5700 रु. के वेतनमान में उन्नयित किए जाने और पुलिस उपमहानिरीक्षक के रूप में पुनः पदाभिहित किए जाने से पहले 3000-4500 रु. के पुनरीक्षित वेतनमान (4500-5700 रु. व्यक्तिगत रूप में वर्तमान) में पुलिस अधीक्षक के पद के नियमित धारक की उपयुक्तता का प्रारंभिक रूप में निर्धारण किया जाएगा। यदि उन्नयित पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त निर्धारित किया जाता है तो उसे प्रारंभिक गठन पर उन्नयित पद पर नियुक्त किया गया माना जाएगा। यदि उन्नयित पद के वेतनमान में नियुक्ति के लिए अनुपयुक्त निर्धारित किया जाता है तो वेतनमान में वह व्यक्तिगत रूप में 4500-5700 रु. के पुनरीक्षित वेतनमान में जारी रहेगा और उसके मामले पर प्रतिवर्ष पुनर्विलोकन किया जाएगा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

भारतीय पुलिस सेवा के ऐसे अधिकारी—

- (क) (i) जो नियमित आधार पर अदृश्य पद धारण किए हैं; या अनुमोदन कर दिया गया है; या
 - (ii) जिनका उपपुलिस महानिरीक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए अनुमोदन कर दिया गया है; या
 - (iii) जिन्होंने 3000-4500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 12 वर्ष नियमित सेवा की है; या
 - (ख) केन्द्रीय पुलिस संगठनों के ऐसे पुलिस अधिकारी जिन्होंने 3000-4500 रु. या समतुल्य ग्रेड में 12 वर्ष नियमित सेवा की है।
- (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतः 5 वर्ष से अधिक नहीं होंगी। भारतीय पुलिस सेवा के प्रतिनियुक्त व्यक्तियों की दशा में भारतीय पुलिस सेवा काष्ठ के नियम लागू होंगे)

यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संख्या

भर्ती करने में निम्न परिस्थितियों में सब लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

लागू नहीं होता

सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं. 4/2/90-आई.सी.एफ.एस./कार्मिक I]

रा. शंकरनारायणन, भवन सचिव

New Delhi, the 18th December, 1990

G.S.R. 2.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Inspector General of Police in the Institute of Criminology and Forensic Science, Ministry of Home Affairs namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Institute of Criminology and Forensic Science (Deputy Inspector General of Police) Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in column (2) to (4) of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (10) of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rule with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and to other special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or not selection post	Age limit for direct recruitment	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Deputy Inspector General of Police	1* (One) (1990)	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 5100-150-5400-150-6150 (5400/- in the 18th year or later) without Special Pay.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

* Subject to variation dependent on workload.

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply to the case of promotees.	Period of probation if any.	Method of recruitment, Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
(8)	(9)	(10)	(11)
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Transfer on deputation. NOTE : The suitability of the regular holder of the post of Supdt. of Police in the revised scale of Rs. 3000-4500 (Rs. 4500-5700 as personal to him at present) prior to upgradation of this post to the scale of Rs. 5100-6150 and re-designated as Deputy Inspector General of Police shall initially be assessed by the Commission for appointment to the upgraded post. If assessed suitable for appointment to the upgraded post, he shall be deemed to have been appointed to the up-graded post at the initial constitution. If assessed 'Not suitable' for appointment to the upgraded scale of pay, he shall continue to be in the service scale of Rs. 4500-5700 as personal to him at present and his case would be reviewed every year.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
(12)	(13)	(14)
TRANSFER ON DEPUTATION Officers of the Indian Police Service :- (a) (i) holding analogous post on regular basis; or (ii) who are approved for appointment to the post of Deputy Inspector General; or (iii) with 12 years regular service in post in the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent; or (b) Police Officers of Central Police Organisations with 12 years regular service in the grade of Rs. 3000-4500 or equivalent.	Not applicable.	Consultation with the Union Public Service Commission is necessary.

(Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of Central Government shall not exceed five years. In the case of Indian Police Service deputationists, the rules applicable to Indian Police Service cadre shall apply).

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th December, 1990

G.S.R. 3.—Para 1(i) of Notification of even No. dated 8-1-90 (G.S.R. No. 45 dated 27-1-90) should read as follows:—

“1(i) These rules may be called the All India Services (Leave) Amendment Rules, 1990”

[No. 11019/4/88-AIS (III)]

Smt. SUBHADRA S., Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(वित्तिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1990

सा.का.नि. 4.—केंद्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) संशोधन नियम 1990 है।

(3) ये 19 जनवरी 1989 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) नियम 1972 में,—

(i) अनुसूची 2 में, “एजेंट द्वारा प्राप्त पालिसी निम्नलिखित बीमा तालिकाओं के अन्तर्गत है”, शीर्षक के अधीन प्रथम स्तम्भ में तालिका संख्या 95 से संबंधित मद और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

101	1 0 5 5 5	1 0 5 5	— — — — —
-----	-----------	---------	-----------

(ii) अनुसूची 4 में, “एजेंट द्वारा प्राप्त पालिसी निम्नलिखित बीमा तालिकाओं के अन्तर्गत है”, शीर्षक के अधीन प्रथम स्तम्भ में तालिका संख्या 95 से संबंधित मद और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

101	1 0 5 5 5	1 0 5 5 5	— — — — —
-----	-----------	-----------	-----------

[फा.सं. 81(1)/बीमा-II/90]

जी.सी. बसुमटारी, उप सचिव

स्पष्टीकारक शायन

भारतीय जीवन बीमा निगम में एक नई शायन आयुर्विनि नियमों बीमा (साधन सहित) योजना अर्थात् “जीवन बाध्य” 19 जनवरी, 1989 से प्रारम्भ की है। परिणामस्वरूप योजना के अधीन एजेंटों को संवेद्य कमोशन की दरें 19 जनवरी, 1989 से अनुमोदित की गई हैं। तदनुसार नियमों की 19 जनवरी, 1989 से शायन की प्रभाव दिया गया है।

यह पदार्थन किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के किसी बीमा एजेंट पर अधिसूचना की शून्यता प्रभाव दिए जाने से कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का सम्भावना नहीं है।

नोट: मुख्य नियम, दिनांक 1 मई, 1972 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या डेव/एजी/प्रार ई जी एन/जी भा.व. IV/डी जेड एम के अन्तर्गत प्रकाशित किए गए थे जिनमें बाद में दिनांक 1 सितम्बर, 1976 की अधिसूचना संख्या 81(4) ईश्वो-II/75, 1 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या 81(12) ईश्वो-II/78, दिनांक 29 मई, 1982 के सा.का.नि. संख्या 487, 29 मार्च, 1986 के सा.का.नि. संख्या 228, दिनांक 11 अप्रैल, 1987 के सा.का.नि. संख्या 251 और दिनांक 13 अक्तूबर, 1989 के सा.का.नि. संख्या 811 द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION

New Delhi, the 5th December, 1990

G.S.R. 4.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Agents) Amendment Rules, 1990.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 19th day of January, 1989.

2. In the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules 1972,—

(i) in Schedule II, in the first column under the heading “Where the policy secured by the agent is under Assurance Table Nos.” after the item relating to Table No. 95 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

“101	1 0 5 5	— — — — —
------	---------	-----------

(ii) in Schedule IV, in the first column under the heading “Where the policy secured by the agent is under Assurance Table Nos.” after the item relating to Table No. 95 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

“101	10 5 5 5	10 5 5	— — — — —
------	----------	--------	-----------

[F. No. 81(1)/Ins. II/90]

G. C. BASUMATARI, Dy. Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Life Insurance Corporation of India has introduced a new Children's Deferred Endowment Assurance (with-profits) Plan viz. “Jeevan Balya” with effect from 19th January, 1989. Consequently, the rates of commission payable under the Plan to the Agents have been approved with effect from 19th January, 1989. The rules are accordingly given retrospective effect from 19th January, 1989.

2. It is certified that no insurance agent of the Life Insurance Corporation of India is likely to be effected adversely by the Notification being given retrospective effect.

The Principal Rules were published under Notification No. Dev/Ag/Regn./Gov.IV/DZM in the Gazette of India dated 1st May, 1972 subsequently amended by Notification Nos. 81(4)/Ins. II/75 dated 1st September, 1976, No. 81(12)/Ins. II/78 dated 1st September, 1978, G.S.R. No. 487 dated 29th May, 1982, G.S.R. No. 228 dated 29th March, 1986, G.S.R. No. 251 dated 11th April, 1978 and G.S.R. No. 811 dated 13th October, 1989.

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1990

सा.का.नि. 5.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 143(अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुये कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देते हैं कि मैसर्स हॉलीवर्टन इन्डिया हनकोरपोरेट (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 3-12-1987 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (i) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उम आणय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-87 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/35/90-सी एल-III]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 18th December, 1990

G.S.R. 5.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. GSR 443(F) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. HALLIBURTON INDIA INC (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-87 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

(i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered accountant practising in India.

(ii) A statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and

(iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-87.

[No. 50/35/90-CL.III]

सा.का.नि. 6.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स शेमर नैगरहाम जेसेल्स-कापट (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-89, 31-3-90 और 31-5-90 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (i) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

(ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियां तथा देयताओं का विवरण, तथा

(iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उम आणय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-89, 31-3-90 और 31-5-90 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/32/90-सी एल-III]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,
के.एम. गुप्ता, अवर सचिव

G.S.R. 6.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company

Law Board hereby directs that in case of M/s. Bremer Lagerhaus Gesellschaft (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to the sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-89, 31-3-90 & 31-5-90 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India,
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-89, 31-3-90 & 31-5-90.

[No. 50/32/90-CL.III]

By order of the Company Law Board.

K. M. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1990

मा.का.नि. 7.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना सं. मा.का.नि. 443(अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना सं. मा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स कॉमैक्स (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहने लगे होंगे, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-90 तथा 31-3-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय कार्यालयों के तुलनपत्र और लाभ तथा हानि लेखा कार्य संपादन हेतु प्रायकर भारतीय मुद्रा में तैयार किए जाएंगे।
- (ii) कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची-VI के भाग II के पैरा 3 के खंड (X) के उपखंड (1) के अनुसरण में लाभ तथा हानि लेखा में किया जाने वाला अपेक्षित प्रकटीकरण करना आवश्यक नहीं है।
- (iii) कम्पनी अधिप्रमाणीकृत तुलनपत्र और लाभ तथा हानि लेखाओं (विदेशी कम्पनी की प्रत्येक सहायक कम्पनी से संबंधित दस्तावेजों सहित) को भी प्रस्तुत करेगी जैसे कि इसके द्वारा इसके निगमन के देश में निर्धारित प्राधिकारी को उस देश के कानूनों के अन्तर्गत प्रस्तुत किए जाते हैं।

[संख्या 50/36/90-सी.एल.-III]

New Delhi, the 20th December, 1990

G.S.R. 7.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification), the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Comelex (hereinafter referred to as the company) being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to the sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-90 & 31-3-91 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) The Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Indian Offices shall be prepared for transactions in Indian Rupees;
- (ii) The disclosure required to be made in Profit & Loss Account pursuant to sub-clause (1) of Clause (x) of Para 3 of Part II of Schedule VI to the Companies Act, 1956 is not required to be made; and
- (iii) The Company shall also submit the authenticated Balance Sheet and Profit and Loss Account (including documents relating to every subsidiary of the foreign company) as submitted by it to the prescribed authority in the country of its incorporation under the laws in that country.

[No. 50/36/90-CL.III]

मा.का.नि. 5.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना सं. मा.का.नि. 443(अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना सं. मा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स इयूरोप सोनिया बोरी एम ए ई (डी. एस.बी.) (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहने लगे होंगे, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-90 तथा 31-3-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय कार्यालयों के तुलनपत्र और लाभ तथा हानि लेखा कार्य संपादन हेतु प्रायकर भारतीय मुद्रा में तैयार किए जाएंगे।
- (ii) कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची-VI के भाग-II के पैरा 3 के खंड (X) के उपखंड (1) के अनुसरण में लाभ तथा हानि लेखा में किया जाने वाला अपेक्षित प्रकटीकरण करना आवश्यक नहीं है।

- (iii) कम्पनी अधिप्रमाणित पुस्तक और लाभ तथा हानि लेखाओं (विदेशी कम्पनी की प्रत्येक सहायक कम्पनी से संबंधित वस्तु-वैयक्तिक) को भी प्रस्तुत करेगी जैसे कि इसके द्वारा इसके निगमन के देश में निर्धारित प्राधिकारी को उस देश के कानूनों के अन्तर्गत प्रस्तुत किए जाते हैं।

[संख्या 50/37/90-सी.एल.-III]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,
यू. पी. माथुर, सचिव

G.S.R. 8.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in the partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Dumez Sogca Borie SAE (D.S.B.) (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to the sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-90 & 31-3-91 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) The Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Indian Offices shall be prepared for transactions in Indian Rupees;
- (ii) The disclosure required to be made in Profit & Loss Account pursuant to sub-clause (1) of Clause (x) of Para 3 of Part II of Schedule VI to the Companies Act, 1956 is not required to be made; and
- (iii) The Company shall also submit the authenticated Balance Sheet and Profit and Loss Account (including documents relating to every subsidiary of the foreign company) as submitted by it to the prescribed authority in the country of its incorporation under the laws in that country.

[No. 50/37/90-CL.III]

By order of the Company Law Board,
U. P. MATHUR, Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(न्यायिक शिरोधार)

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1990

सा.का.नि. 9—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 349 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यहाँ केन्द्रीय न्यायिक न्याय और परिवार मंत्रालय के सहायक प्रमुख, संविधान के सहायक प्रमुख और मन्त्रिपरिषद् (सामाजिक कार्य) के सहायक प्रमुख (भारत, 1975) को उन बातों के विषय में अधिग्रहण करने हुए बिना ऐसे अधिग्रहण से पहले विचार किया गया है अथवा करने का प्रयत्न किया गया है केन्द्रीय मन्त्रिपरिषद् संस्था, संविधान (सामाजिक कार्य) के सहायक आचार्य के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निर्धारित निम्न बातें हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मन्त्रिपरिषद् संस्था, संविधान (सामाजिक कार्य) के सहायक आचार्य, सामाजिक कार्य) भर्ती नियम, 1990 है।

(2) ये नियमों में प्रकाशन का तारीख को प्रश्न होगी।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उक्त वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों में उदाहरण अनुसूची के स्तम्भ 3 से 1 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आय सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आय सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें ये होगी से उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट है।

4. निर्हता : यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समझाने हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वयं विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो यह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ उसके लिए जो भी कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी भी उपबंध का किसी बर्त या वर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आय सीमा में छूट और अन्य शिथिलताओं पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निश्चित गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित अजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

3388 GI/90—2

प्रमुखी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वरों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन असूक्ष्य है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
मनश्चिकित्सा सामाजिक कार्य के सहायक प्राचार्य	1* (1990)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित अनुसूचितों	2200-75-2800-द.रो 100-1000	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या अधिनियमों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)	नहीं
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।				टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे जिस जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तिथि होगी।	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिीक्षा की अवधि यदि कोई हो आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की वशा में लागू होंगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक :	लागू नहीं होता	2 वर्ष
(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य/ सामाजिक विज्ञान/अनुसूचित सामाजिक विज्ञान में मास्टर डिग्री अथवा समतुल्य।		
(ii) किसी मान्यता प्रसूत संस्था से मनश्चिकित्सक सामाजिक कार्य में डिप्लोमा/एम. फिल.।		
(iii) किसी मानसिक अस्पताल, बाल मार्गदर्शन-क्लीनिक अथवा किसी जनरल अस्पताल के मनश्चिकित्सक विभाग में मनश्चिकित्सक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में 2 वर्ष का अस्थापन अनुसंधान अनुभव।		
टिप्पण : (1) अर्हताएं अथवा सुसहित अभ्यर्थियों का वशा में संभव लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।		
टिप्पण : (2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) सशर्त सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में तब शिथिल की जा सकती है		
(3) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संभव लोक सेवा आयोग का यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उत संख्याओं के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।		

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा तथा बिभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिससे प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण किया जाएगा।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो इसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा

13

14

(पुष्टि पर विचार करने के लिए) :

विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:

1. संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य विभाग—अध्यक्ष।

2. उप महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय—सदस्य

3. निदेशक, प्रशासन और सतर्कता स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय—सदस्य

टिप्पणी: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति का बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं. ए-11018/3/85-आर.आर./एन.एम.सी./पी.एम.एस.]

जी.जी.के. नायर, प्रधान सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 18th December, 1990

G.S.R. 9.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of The Hospital for Mental Diseases, Ranchi Associate Professor of Psychology, Assistant professor of Psychology and Assistant Professor of Psychiatric (Social Work) Recruitment Rules, 1975, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Professor of Psychiatric, Social Work, in the Central Institute of Psychiatry, Ranchi, namely :—

(1) Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Central Institute of Psychiatry, Ranchi (Assistant Professor of Psychiatric, Social Work) Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(2) Number of Post, Classification and Scale of Pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

(3) Method of Recruitment, Age Limit, Qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other

matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

(4) Disqualification.—No Person.

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

(5) Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

(6) Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection post
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Assistant Professor of Psychiatric, Social Work.	1* (1990) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service, Group 'A' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 2200-75-2800—E B-100-4000.	Not applicable.

Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years on Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(6)	(7)	(8)
Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). NOTE : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Island and Lakshadweep).	No.	Essential : I. (i) Master's degree in Social work/Sociology/Applied Sociology from a recognised University or equivalent. (ii) Diploma/M.Phil in Psychiatric Social Work from a recognised institution. (iii) 2 years teaching research experience as a Psychiatric social worker in a Mental Hospital, Child guidance Clinic or Psychiatric Department of a General Hospital. NOTE 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. NOTE 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, The U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of probation, if any.	Method of rectt. Whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
(9)	(10)	(11)	(12)
Not applicable.	One year.	By direct recruitment.	Not applicable.

If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
(13)	(14)
Group 'A' DPC. (for considering confirmation) consisting of 1. Joint Secretary, D/o Health. 2. Deputy Director General of Health Services 3. Director, Administration and Vigilance, Dte General of Health Services	Consultation with the UPSC necessary. --- Chairman — Member — Member
NOTE : The Proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member the UPSC shall be held.	

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन महाविदेशालय)

शुद्धिपत्र

बम्बई, 19 दिसम्बर, 1990

सा.का.नि. 10.—समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण विदेशालय (फोरमैन प्रशिक्षक तथा नौ-कौशल प्रशिक्षक) भर्ती नियम, 1987, जो भारत सरकार, नौवहन महाविदेशालय की अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 283 भारत सरकार के राजपत्र के भाग II खंड 3, उपखंड (i), संख्या 15 दिनांक 9 अप्रैल, 1988 में प्रकाशित किया गया था, में—

उक्त नियमों की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं,

1. नौ-कौशल प्रशिक्षक पद की अनुसूची में :

(i) स्तम्भ 2 में श्रंक "2" (1987) को नीचे—

"परन्तु काम की मात्रा की घट बढ़ पर निर्भर" अंतःस्थापित किया जाए।

(ii) स्तम्भ 12 के मद (ख) के अंत में "स्तम्भ 7" के स्थान पर "स्तम्भ 8" पढ़ा जाये।

2. फोरमैन प्रशिक्षक (यांत्रिक इंजीनियरिंग/विद्युत या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग) पद की अनुसूची में—

(i) स्तम्भ 8 में "नोट तथा तदधीन प्रविष्टियां।

आवश्यक अर्हता के ठीक बाद और बांछनीय अर्हता के ऊपर रखी जाएं।

(ii) स्तम्भ 9 के अंत में "नहीं" के बाद निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएं।

"लेकिन किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम यांत्रिक इंजीनियरिंग/विद्युत इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या उसके समतुल्य अर्हता अवश्य होनी चाहिए।

(iii) स्तम्भ 12 में—

"सैकेनिक प्रशिक्षक ग्रेड में 8 वर्षों की नियमित सेवा से 75 प्रतिशत पदोन्नति कोटा" के बाद इन शब्दों को—

"लेकिन किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम यांत्रिक इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या उसके समतुल्य अर्हता अवश्य होनी चाहिए"

निकाल दिया जाए।

[सं. 11-टी आर (3)/88]

एन.के. प्रसाद, उप महाविदेशक

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

CORRIGENDUM

Bombay, the 19th December, 1990

G.S.R. 10.—In the Directorate of Marine Engineering Training (Foreman Instructor & Seamanship Instructor) Recruitment Rules, 1987, Published vide the Government of India, Directorate General of Shipping Notification G.S.R. No. 283 in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India, No. 15 dated the 9th April, 1988;

In the Schedule to the said rules following corrections are made :

1. In the Schedule for the post of Seamanship Instructor :

(i) in Column 2 below the figure "2" (1987) insert the words

"subject to variation dependent on work load".

(ii) at the end of item (b) of Column 12 the words "Column 7" are replaced to read as "Column 8".

2. In the Schedule for the post of Foreman Instructor (Mechanical Engineering/Electrical or Electronic Engineering):

(i) in column 8, the "Note (as well as entries thereunder) are brought up immediately after the essential qualification and above the desirable qualification,

(ii) At the end of Column 9, after the word "NO" following words are inserted "but must possess at least a diploma in Mechanical Engineering/Electrical Engineering Electronics Engineering from a recognised Institution or equivalent".

(iii) in column 12 the words "but must possess at least a diploma in Mechanical Engineering/Electronics Engineering from a recognised Institution or equivalent"

appearing after the words

"75 per cent of the promotion quota from among Instructor Mechanic with 8 years' regular service in the grade"

are deleted.

[F. No. 11-TR(3)/88]

N. K. PRASAD, Dy. Director General.

